राजनीतिक

● सर्वश्रेष्ठ मंत्री : एस. जयशंकर - सीधी बात और उनका अंदाज़

स्पष्टवादी और बेबाक वक्ता, वे किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच या मीडिया में सवालों का जवाब देने से नहीं डरते और प्रश्न पूछने वाले को मुंहतोड़ जवाब देते हैं। उनके सटीक और तीखे जवाबों ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबसे चर्चित विदेश मंत्रियों में से एक बना दिया है। व्हिस्पर्स सर्वे में शामिल लोगों का मानना है कि उन्होंने भारत का बखूबी प्रतिनिधित्व किया है और दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है, यही कारण है कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में दूसरा सर्वश्रेष्ठ मंत्री चुना गया है। एक अनुभवी नौकरशाह के रूप में, उन्होंने जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, रूस-यूक्रेन युद्ध, इज़राइल-फिलिस्तीन युद्ध और ईरान युद्ध जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भारत का दृष्टिकोण रखने में कोई संकोच नहीं किया है। रूस से कच्चे तेल की खरीद के लिए भारत पर दबाव डालने के मामले में वैश्विक दोहरे मापदंडों को उजागर करने में भी उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी है। एक उत्तरदाता ने उन्हें वैश्विक भू-राजनीति के अशांत माहौल में देश को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने वाला एक कुशल नेता बताया, जबकि दूसरे ने विदेश मामलों में उनके त्रुटिहीन ट्रैक रिकॉर्ड पर प्रकाश डाला।

● कुछ उत्तरदाताओं ने डॉ. जयशंकर के बारे में कहा ....

पार्थ संदीप: सबसे जटिल मंत्रालय का नेतृत्व करना और वैश्विक भू-राजनीति के अशांत माहौल में देश को सुचारू रूप से आगे बढ़ाना।

जयेश शाह: विदेश मामलों में उनका बेदाग रिकॉर्ड है।

आर्यन: भारत की संप्रभुता और कूटनीतिक संकल्प को प्रदर्शित करते हुए वैश्विक मंच पर भारत की आवाज और प्रभाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पूजा भारद्वाज: मुझे यह इसलिए बहुत पसंद है क्योंकि वे स्पष्टवादी और सीधे-सादे हैं, और दूसरे देशों को खुश करने के लिए भारत के रुख को मीठा बनाकर पेश नहीं करते। वे आतंकवाद को पाकिस्तान के समर्थन की सच्चाई उजागर करने से नहीं डरते, और मुझे यह बात अच्छी लगती है कि जब अमेरिकी या पश्चिमी विचारधाराएं भारत के हितों से मेल नहीं खातीं, तो वे तुरंत उनका समर्थन नहीं करते। मुझे यह भी पसंद है कि वे विदेश नीति को पश्चिम से स्वीकृति पाने की कोशिश करने के बजाय, भारत को प्राथमिकता देने वाले व्यावहारिक दृष्टिकोण से देखते हैं। वे कठिन बातचीत करने, पाखंड और दोहरे मापदंडों को उजागर करने और यह स्पष्ट करने के लिए तैयार हैं कि भारत अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं का निर्णय स्वयं करेगा।

● डॉ. राघव जिंदलः वे राजनीति नहीं, बस काम कर रहे

हिमांशु: क्योंकि आज की दुनिया अनिश्चितताओं और युद्धों से भरी है। वे वाशिंगटन के कठोर रवैये का सामना कर रहे हैं, जो भारत के लिए और अधिक समस्याएं पैदा करने पर तुला हुआ है। साथ ही, वे भारत और चीन के बीच धीरे-धीरे लेकिन सावधानीपूर्वक संबंधों को सुधारने का प्रयास भी कर रहे हैं। वे पड़ोसी देश बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग और भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही नई सरकार के संकट से भी निपट रहे हैं। वे मध्य पूर्व और खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में नाविकों और श्रमिकों से जुड़े होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरान के संकट को भी संभाल रहे हैं। लेकिन वे कड़ी मेहनत कर रहे हैं और विश्व मीडिया को दिए गए उनके तीखे जवाब और उनकी स्पष्टवादिता उन्हें कैबिनेट का सबसे मौलिक मंत्री बनाती है। वे भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ विदेश मंत्री हैं।

एम आर नौनी: विदेश मंत्री के रूप में, उन्होंने भारत के हितों के खिलाफ काम कर रहे कई देशों के बीच अशांत भू-राजनीतिक परिदृश्य में सराहनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है।

संजीव टंडन: उनके कार्य और प्रतिक्रियाएं नए भारत और उसकी नीतियों के लिए सबसे उपयुक्त हैं।

शिवाली: जिस तरह से वह व्यक्ति दुनिया के अंतरराष्ट्रीय संबंधों की खराब स्थिति में भी चीजों को संभालता है, जयशंकर की बदौलत भारत अभी भी वैश्विक स्तर पर अपनी जगह बना रहा है।

विनय: क्योंकि उनमें दूरदर्शिता थी और वे विदेशी प्रेस पत्रकारों को सीधे जवाब देने में सक्षम थे।

श्री मैंडी: वे बहुत ही शानदार काम कर रहे हैं। भारत को विश्व के सामने अग्रणी बना रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने जो काम किया है, वह सराहनीय है।

सौरव शॉ: उनकी कूटनीतिक कुशलता और राष्ट्र के प्रति उनकी ईमानदारी अत्यंत प्रभावशाली है।

● चिन्नी वीएसएस किशोर कुमारः विश्व के प्रतिभाशाली राजनयिक

अश्विन शर्मा: बेहद सख्त राजनयिक।

संदीप शर्मा: वह बहुत ही वाक्पटु हैं।

प्रशांत: संबंधित क्षेत्र में विशेषज्ञता।

सुचेतन: उनके समय में विदेश नीति सर्वोत्तम थी।

अविनाश डब्ल्यू: कम बातें, ज्यादा काम।

अर्जुन: बाहरी मामलों को अच्छे से संभालकर सही काम करने वाला एकमात्र व्यक्ति। (क्योंकि आंतरिक रूप से सब कुछ गड़बड़ है)

● प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार दूसरी बार संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग नहीं लिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार दूसरे वर्ष संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग नहीं ले रहे हैं, उन्होंने महासभा में भारत के संबोधन का जिम्मा विदेश मंत्री एस. जयशंकर को सौंपा है। यह रणनीतिक अनुपस्थिति नई दिल्ली की विदेश नीति में एक सोची-समझी रणनीति को दर्शाती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रगति रुकने से निराश होकर, भारत अब संयुक्त राष्ट्र महासभा की बहस को कार्रवाई के बजाय बयानबाजी का मंच मानता है। इसके बजाय, मोदी प्रशासन उच्च प्रभाव वाले द्विपक्षीय समझौतों और क्वाड या ब्रिक्स जैसे सक्रिय बहुपक्षीय मंचों को प्राथमिकता दे रहा है। इसके अलावा, जयशंकर का मजबूत कूटनीतिक रिकॉर्ड उन्हें भारत की प्राथमिकताओं – जिसमें 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सीट हासिल करने का अभियान और वैश्विक दक्षिण में नेतृत्व शामिल है – को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए पूरी तरह से सक्षम बनाता है, जिससे प्रधानमंत्री घरेलू एजेंडा और व्यापक वैश्विक रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

● ममता गुट 'फुटबॉल' लेकर रेजिनगर निर्वाचन क्षेत्र में

6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनावों से पहले, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस गुट ने रेजिनगर निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं को अपने नए अंतरिम नाम और चुनाव चिन्ह से परिचित कराने के लिए एक गहन अभियान शुरू किया है। पार्टी ने अपने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को नए लोगो का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया है।इस नई विज़ुअल पहचान के केंद्र में एक 'फुटबॉल खिलाड़ी' का प्रतीक है। डिज़ाइन में खिलाड़ी को बीच में रखा गया है, जिसके चारों ओर नीले रंग की पृष्ठभूमि पर सफेद अक्षरों में 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' लिखा हुआ है, साथ ही केसरिया, सफेद और हरे रंग के तत्व भी शामिल हैं। इसके अलावा, सूत्रों से पता चलता है कि राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पीएसी मतदाताओं तक अधिकतम पहुंच बनाने के लिए फुटबॉल पर आधारित एक व्यापक अभियान रणनीति का संचालन कर रही है।

उत्तर प्रदेश : अपराधियों पर और **कसेगा शिकंजा**

छह बैच में प्रशिक्षित 600 अफसरों में चुने गए स्पेशल-32, इस तरह करेंगे काम

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ अब और सख्ती की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को अब वैज्ञानिक जांच की धार देने की कवायद शुरू की गई है। अपराध के बाद घटनास्थल पर छूटे साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और वैज्ञानिक तरीके से जांच को आगे बढ़ाने के लिए पुलिस के 'स्पेशल 32 अफसर' तैयार किए जा रहे हैं।

छह बैच में 100-100 अफसरों को 40 दिन का प्रशिक्षण दिए जाने के बाद चयनित इन 32 अधिकारियों को अब फॉरेंसिक साइंस और क्राइम सीन मैनेजमेंट में मास्टर ट्रेनिंग दी जा रही है। आगे इनकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल सभी 75 जिलों में पुलिस की क्राइम सीन मैनेजमेंट क्षमता को मजबूत करने में किया जाएगा।

अब वैज्ञानिक तरीके से घटनास्थल को सुरक्षित कर छोटे से छोटे साक्ष्य की पहचान के जरिए जांच को मजबूत आधार मिलेगा। इसके साथ ही अपराधियों के खिलाफ तेजी से सख्त कार्रवाई की जा सकेगी। इसी सोच के साथ उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट आफ फॉरेंसिक साइंस , लखनऊ में 32 अधिकारियों को मास्टर ट्रेनिंग के जरिए विशेष रूप से तैयार कर रहा है। प्रशिक्षण में कृत्रिम घटनास्थल तैयार कर अधिकारियों की व्यावहारिक दक्षता भी परखी जाएगी। छह बैच में 100-100 पुलिस अधिकारियों को पहले ही 40 दिन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इन अधिकारियों ने अपने-अपने जिलों में अन्य पुलिसकर्मियों को भी प्रशिक्षित किया। अब इन्हीं प्रशिक्षित अधिकारियों में से चयनित टॉप 32 अफसरों को फॉरेंसिक और क्राइम सीन मैनेजमेंट में विशेषज्ञता के अगले स्तर तक ले जाया जा रहा है। यूपीएसआईएफएस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि यह स्पेशल ट्रेनिंग उन पुलिस अधिकारियों को दी जा रही है, जो प्रशिक्षण के दौरान टॉप पर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार पुलिस अधिकारियों की व्यावहारिक दक्षता को और बेहतर किया जाएगा। इसके लिए कृत्रिम घटनास्थल तैयार कर उनकी क्षमता का परीक्षण भी किया जाएगा। डॉ. गोस्वामी ने कहा कि आपराधिक जांच में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए क्राइम सीन मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इसी उद्देश्य से यूपीएसआईएफएस ने हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग की पहल की है। फॉरेंसिक साइंस और क्राइम सीन मैनेजमेंट की मास्टर ट्रेनिंग में व्यावहारिक अनुभव यानी एक्सपीरिएंशियल लर्निंग पर जोर दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के लेक्चर के साथ हैंड्स-ऑन सेशन के जरिए अधिकारियों को विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण में घटनास्थल से तलाशी और जब्ती के नियम, क्राइम सीन नोट्स, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, पहचान और साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया पर फोकस किया जा रहा है। फिंगरप्रिंट और खून के नमूने जैसे साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से पहचानने और सुरक्षित रूप से एकत्र करने की बारीकियां भी सिखाई जा रही हैं। इसका उद्देश्य यह है कि घटनास्थल पर मौजूद महत्वपूर्ण साक्ष्य अनदेखे न रह जाएं और उन्हें सही तरीके से संरक्षित कर आगे की विवेचना में इस्तेमाल किया जा सके। इससे जांच को साक्ष्य आधारित मजबूत आधार मिलने की संभावना बढ़ेगी।

प्रशिक्षण में दिन और रात के अलग-अलग समय तथा विभिन्न स्थानों पर क्राइम सीन समेत व्यावहारिक जानकारी भी दी जा रही है। इसके अलावा वास्तविक घटनास्थल पर आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को फील्ड वर्क का महत्व समझाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों को ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए भी तैयार किया जा रहा है, जहां अपराध के साक्ष्य नष्ट करने, साक्ष्य छिपाने या गलत जानकारी देने का प्रयास किया जा सकता है। इसके जरिए घटनास्थल को सुरक्षित रखने और वैज्ञानिक जांच की प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर है।

राजकीय महिला शरणालय भवन का लोकार्पण करेंगे मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को राजकीय महिला शरणालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। इस भवन की क्षमता 100 महिलाओं के रहने की है। इस अवसर पर वह निर्माणाधीन राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) का भी निरीक्षण करेंगे।

चरगांवा में कृषि विभाग के बीज गोदाम के समीप 8 करोड़ 5 लाख 42 हजार रुपये की लागत से राजकीय महिला शरणालय के भवन का निर्माण कराया गया है। इसमें आवासीय सुविधा के साथ आवश्यक सहायक सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त 10 डॉरमेट्री कक्ष, 4 अध्ययन कक्ष, रोगी कक्ष, क्रेच रूम, डाइनिंग हॉल, किचन, स्टोर, शौचालय एवं स्नानघर जैसी आवश्यक सुविधाओं का निर्माण किया गया है। प्रशासनिक एवं संचालन संबंधी कार्यों के लिए वर्कशॉप, वार्डन कक्ष एवं कार्यालय की व्यवस्था की गई है। संवासनियों के लिए पुस्तकालय भी बना है।

राजकीय महिला शरणालय, महिला कल्याण विभाग के अधीन संचालित एक संरक्षणात्मक एवं आवासीय संस्था है। इन शरणालयों की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य घरेलू हिंसा, जरूरतमंद, संकटपूर्ण परिस्थितियों, भटकाव अथवा अन्य सामाजिक एवं पारिवारिक कठिनाइयों से प्रभावित महिलाओं को सुरक्षित आश्रय, संरक्षण एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करना है। राजकीय महिला शरणालय का लोकार्पण करने से पहले मुख्यमंत्री, किशोरों के लिए निर्माणाधीन संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण करेंगे। चरगांवा में कृषि विभाग के बीज गोदाम के समीप ही राजकीय संप्रेषण गृह (किशोर) का निर्माण 14. 87 करोड़ रुपये की लागत से कराया जा रहा है। इसकी क्षमता 100 किशोरों के रहने की होगी।

रोडवेज के 650 आउट सोर्स परिचालक संविदा में होंगे मर्ज

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, गोरखपुर : रोडवेज में काम कर रहे 650 से अधिक आउटसोर्स परिचालकों को संविदा में शामिल किया जाएगा। इसके लिए एक नवंबर से नया शासनादेश लागू होगा। इसी के आधार पर परिचालकों की भर्ती और समायोजन की प्रक्रिया की जाएगी। इससे लंबे समय से परिचालकों की कमी से जूझ रहे रोडवेज को राहत मिलने की उम्मीद है।

रोडवेज में वर्तमान में बड़ी संख्या में परिचालक आउटसोर्स के माध्यम से काम कर रहे हैं। अब इन सभी को संविदा व्यवस्था में शामिल किए जाने की तैयारी है। इसके साथ ही अगले महीने करीब 200 नए परिचालकों की भर्ती भी की जाएगी। भर्ती की प्रक्रिया नए शासनादेश में तय नियमों के अनुसार होगी। वर्तमान व्यवस्था में आउटसोर्स परिचालकों को निगम की ओर से 1.75 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से मानदेय दिया जाता है। वहीं संविदा परिचालकों को 2.16 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से भुगतान किया जाता है। नए नियम लागू होने के बाद परिचालकों की भर्ती और सेवा व्यवस्था में बदलाव होगा। उनकी आय में भी बढ़ोत्तरी हो सकेगी। अधिकारियों के अनुसार परिचालकों की संख्या बढ़ने से बसों के संचालन में भी सुविधा होगी। जिन मार्गों पर परिचालकों की कमी के कारण संचालन प्रभावित होता है, वहां पर्याप्त संख्या में परिचालक उपलब्ध कराए जा सकेंगे।

जनता दर्शन में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सुनीं **जनसमस्याएं**

अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को 7-कालिदास मार्ग स्थित अपने कैंप कार्यालय में जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने फरियादियों से संवाद कर उनकी शिकायतों के जल्द, प्रभावी और समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

जनता दर्शन में भूमि एवं राजस्व विवाद, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली-पानी, पुलिस कार्रवाई, शिक्षा और रोजगार से जुड़ी समस्याएं सामने आईं। बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग, युवा और दिव्यांगजन भी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी शिकायत के निस्तारण में लापरवाही या देरी नहीं होनी चाहिए।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जनता दर्शन आम लोगों से सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है। इससे सरकार को जमीनी स्तर की समस्याओं की जानकारी मिलती है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण न किया जाए, बल्कि समस्या का स्थायी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ित को दोबारा सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद और पात्र लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं का पूरा लाभ मिलना चाहिए। जनहित सर्वोपरि है और प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री ने भूमि और राजस्व से जुड़े मामलों में जिलाधिकारियों को राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध कब्जे और उत्पीड़न से जुड़े मामलों में गंभीरता से कार्रवाई करने को कहा। आवश्यकता पड़ने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

महिलाओं, दिव्यांगजनों और बुजुर्गों की शिकायतों को प्राथमिकता से सुनते हुए उन्होंने अधिकारियों को इनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मौर्य ने कहा कि जनता दर्शन में अपनी समस्या लेकर आने वाला कोई भी पीड़ित निराश होकर वापस न लौटे, इसके लिए अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ काम करना होगा।

सोशल मीडिया ने प्रस्तुत किया अर्धसत्य का नया तथ्य : योगी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, गोरखपुर : गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सामान्य जीवन में व्यक्ति यह तय नहीं कर पाता है कि सत्य क्या है और असत्य क्या है। आज के समय में सोशल मीडिया प्लेटफार्म ने सत्य और असत्य के बीच एक नया तथ्य प्रस्तुत कर दिया है, अर्धसत्य का, जो कभी सत्य नहीं होता। ऐसी स्थितियों में पूरी दुनिया की मानवता अवसाद की शिकार है, उसके सामने चुनौती है।

सीएम योगी गोरखनाथ मंदिर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 57वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि समारोह के उपलक्ष्य में बुधवार अपराह्न श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के शुभारंभ अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में व्यासपीठ का पूजन करने के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज विज्ञान भले ही कितना ही आगे बढ़ चुका हो, लेकिन जीवन में स्थायी शांति के लिए विश्व की मानवता केवल भारत भूमि को ही देखती है। भारत भूमि पर पावन कथाओं की परंपरा कठिन चुनौतियों में व्यक्ति का मार्ग सुगम बनाने के लिए मार्गदर्शन करती है। पवित्र कथाओं के वाचन और श्रवण की परंपरा, हजारों वर्षों की विरासत को समझने का भी अवसर होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में जब आचरण और विचार के बीच साम्यता प्रभावकारी होती है। व्यक्ति जब मनसा, वाचा, कर्मणा से एक दिशा में चलता है तो उसे सफलता प्राप्त होती है। मन, वचन और कर्म में एकरूपता न रहने पर भ्रम की स्थिति पैदा होती है। क्या करना है और क्या नहीं करना है, इसे लेकर भ्रम पैदा होने पर 'न घर का, न घाट का' वाली स्थिति बन जाती है। श्रीमद्भागवत की कथा मनुष्य के इसी भ्रम को दूर करती है।

कथा व्यास मलूकपीठाधीश्वर राजेंद्रदास महाराज का गोरक्षपीठ में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण के वाचन और श्रवण की परंपरा 5000 वर्ष पुरानी है। भारत का श्रद्धालु इस कथा के माध्यम से ज्ञान, भक्ति व निष्काम कर्म की प्रेरणा प्राप्त करता है। जीवन के उद्देश्य व रहस्यों को समझने के लिए यह कथा अत्यंत महत्वपूर्ण है। 5000 वर्ष पहले शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को इस कथा का श्रवण कराया, तबसे एक लंबा कालखंड बीत गया। सनातन संस्कृति ने सम-विषम परिस्थितियों सहित तमाम चुनौतियों का सामना किया। उत्थान-पतन की कहानियों के बीच भी यह कथा हम सबकी स्मृतियों में बची रही। यह कथा जीवन की वास्तविकता का एहसास करते हुए अज्ञानता से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

मुख्यमंत्री के संबोधन के उपरांत व्यासपीठ पर विराजमान कथा व्यास, वृंदावन से पधारे मलूकपीठाधीश्वर श्रीमदजगद्गुरु द्वाराचार्य अग्रपीठाधीश्वर स्वामी राजेंद्रदास महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया। कथा प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से शाम 6 बजे तक सुनाई जाएगी।

आपका राशिफल 24 सितम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती है। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक 4 6 8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक 1 4 6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते हैं जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढ़ग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देगें। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

ऊर्जा मंत्री ने लंबित शिकायतों की जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सरकार प्रदेश में जनसमस्याओं के समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी निस्तारण के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने संभव (शिकायत निस्तारण पोर्टल) के माध्यम से विभिन्न जिलों से प्राप्त शिकायतों की जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए, जबकि गंभीर और लंबित शिकायतों में जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिए। संभव पोर्टल शिकायतों का समयबद्ध पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने का एक पोर्टल है। अब इस पोर्टल के माध्यम से निर्माणाधीन परियोजनाओं की निगरानी भी सुनिश्चित की जा सकेगी। जनसुनवाई के दौरान मंत्री ए.के. शर्मा ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि बिजली चोरी करने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने जनपदीय अधिकारियों को अपनी कार्यशैली में सुधार लाने की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रभाव के तहत जनता को परेशान किए जाने की शिकायतें किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हैं।

यूपी एसआरटीसी की बसों में दिव्यांगजनों को क्यूआर कोड स्कैन कर निःशुल्क टिकट मिलना शुरू

दिव्यांगता 80 प्रतिशत से अधिक होने पर जारी होंगे दो टिकट, सहयात्री को भी मिलेगी सुविधा

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : दिव्यांगजनों को बस यात्रा में और अधिक सहूलियत देने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) ने ईटीआईएम मशीन के अपडेटेड वर्जन में निःशुल्क टिकट जारी करने की सुविधा शुरू की है।

बुधवार से शुरू हुई इस व्यवस्था में परिचालक दिव्यांगजन पहचान पत्र पर दर्ज क्यूआर कोड को ईटीआईएम मशीन से स्कैन कर सीधे शून्य मूल्य का टिकट जारी कर सकेंगे। इससे टिकट जारी करने की प्रक्रिया आसान और अधिक पारदर्शी होगी। इसी के साथ योगी सरकार ने दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए एक और सुविधा को जोड़ दिया। यूपीएसआरटीसी के मुताबिक नई व्यवस्था के तहत परिचालक को सबसे पहले यात्रा का बोर्डिंग और अलाइटिंग स्थान चुनना होगा। इसके बाद ईटीआईएम मशीन में दिए गए 'दिव्यांगजन' विकल्प पर क्लिक कर दिव्यांगजन के पहचानपत्र पर मौजूद क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा। क्यूआर कोड स्कैन होते ही मशीन की स्क्रीन पर संबंधित दिव्यांगजन की जानकारी प्रदर्शित होगी। इसमें यूआईडी संख्या, नाम, जन्मतिथि, दिव्यांगता का प्रकार, दिव्यांगता प्रतिशत और आधार संख्या जैसी जानकारी शामिल होगी। दिव्यांगता प्रतिशत के आधार पर ईटीआईएम मशीन स्वयं टिकटों की संख्या निर्धारित करेगी।

80 प्रतिशत से कम दिव्यांगता होने पर एक निःशुल्क टिकट जारी होगा, जबकि 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता होने पर दो निःशुल्क टिकट जारी किए जाएंगे। इससे दिव्यांग व्यक्ति के साथ सहयात्री को भी नियमानुसार शून्य मूल्य का टिकट जारी होगा। खास बात यह है कि ईटीआईएम से जारी दिव्यांगजन निःशुल्क टिकट अब परिचालक के लोड फैक्टर में भी शामिल होंगे। इससे परिचालक की प्रोत्साहन राशि में भी बढ़ोतरी होगी। वहीं टिकट का विवरण निगम की रिपोर्टों में भी प्रदर्शित होगा। दिव्यांगजन टिकट के लिए अलग रिपोर्ट की सुविधा भी एएफसी प्रणाली में उपलब्ध कराई गई है। इससे निःशुल्क यात्रा का रिकॉर्ड डिजिटल रूप से दर्ज होगा।